DDT स्तर में गिरावट, POP स्तर में वृद्धि

स्रोत: डाउन टू अर्थ

एक हालिया अध्ययन के अनुसार, कठोर अंतर्राष्ट्रीय नियमों के परिणामस्वरूप वर्ष 2004 से वर्तमान तक **मानवीय आबादी एवं पर्यावरण में** 11 अतिरिक्त **स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों (POP) के साथ डाइक्लोरो-डाइफेनिल-ट्राइक्लोरोइथेन (DDT) कीटनाशक** में उल्लेखनीय कमी हुई है।

- अन्य POP एवं समान गुणों वाले **प्रतिबंधित घातक POP के प्रतिस्थापन की संख्या उच्च स्तर** तक बढ़ गई है।
    - **कार्बनिक यौगिक (अर्थात् कार्बन-आधारित)** रासायनिक विघटन, जैविक प्रक्रियाओं एवं सूर्य के प्रकाश जैसी **पर्यावरणीय प्रक्रियाओं द्वारा क्षरण का प्रतिरोध** करते हैं। वे पर्यावरण में दशकों एवं सदियों तक लंबे समय तक बने रह सकते हैं।
    - वे कैंसर, यकृत क्षति, प्रजनन क्षमता में कमी, तथा अस्थमा और थायरॉयड के **उच्च जोखिम का कारण** बन सकते हैं क्योंकि वे **अंतःस्रावी तंत्र को बाधित** कर सकते हैं।
- POP के लिये **वैश्विक निगरानी योजना** को **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)** द्वारा क्रियान्वित किया गया है तथा **वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF)** द्वारा वित्तपोषित किया गया है।
- यह अध्ययन अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन तथा प्रशांत द्वीप समूह के 42 देशों में **स्टॉकहोम अभिसमय** के अंतर्गत वर्ष 2021 तक सूचीबद्ध 30 POP की निगरानी एवं सीमित डेटा के लिये किया गया था।
    - **स्टॉकहोम अभिसमय (2001)** एक **अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संधि** है जो वर्ष 2004 से प्रभावी है जिसका उद्देश्य **POP के उत्पादन एवं उपयोग को समाप्त करना अथवा प्रतिबंधित** करना है।
- DDT, 1940 के दशक में विकसित पहला आधुनिक **सिंथेटिक कीटनाशक** है जो **रंगहीन, स्वादहीन एवं गंधहीन यौगिक** है।
    - कुछ देशों (जैसे **दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, बोत्सवाना, ज़िम्बाब्वे**) में अभी भी इसका उपयोग कठोर नियमों के अंतर्गत मलेरिया नियंत्रण के लिये किया जाता है।

और पढ़ें... **मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम के लिये दक्षिण अफ्रीका को DDT की आपूर्ति**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ddt-levels-on-decline,-pops-on-rise